Dainik Bhaskar - Microsoft Internet Explorer
File Edit View Favorites Tools Help
Back Search Favorites
Address http://www.bhaskar.com/newsitems/view_city_news.php?id=14786 Go Links
Google Search PageRank 8948 blocked Check AutoLink AutoFill Options

Forex Affiliate = $$$ - Earn over $10,000 USD
citifinancial *Conditions apply जल्दी और आसान ऋण रु. 5 लाख* तक

मेंहदी रचे खूनी हाथों को ताउम्र सलाखें

भास्कर न्यूज

24 July 2006

जबपुर

शादी की मेहदी का रंग उतरने से पहले ही प्रेमी के प्यार में दीवानी होकर पति को मौत के घाट उतारने वाली किरण विश्नोई को सोमवार को फास्ट ट्रेक अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई। कत्ल में शामिल किरण के प्रेमी अनूप बेनीवाल और उसके नौकर रमेश को भी उम्र कैद की सजा दी गई है। विशेष लोक अभियोजक शिवचंद साहू ने अदालत से इनके लिए फांसी की मांग की थी। जिस पर अदालत ने कहा कि जुर्म अत्यंत संगीन होने के साथ फांसी लायक है लेकिन पहला अपराध होने के कारण इन्हें उम्र कैद दी गई है। किरण के भाई अमित के खिलाफ अदालत ने पत्रावली सुरक्षित रखी है, वह अभी फरार है।

किरण ने 28 नवंबर 2003 की रात चित्रकूट नगर में अपने पति प्रदीप विश्नोई को नींद की गोलियां देने के बाद अपने प्रेमी अनूप और रमेश को भीतर बुलाया व तीनों ने मिलकर प्रदीप की हत्या कर दी थी। हत्यारों ने यह कत्ल सुनियोजित तरीके से किया और सबूत मिटाने की भरसक कोशिश कर इसे लूट की शक्ल देने की चेष्टा की। पुलिस ने चौबीस घंटे में इस सनसनीखेज हत्याकांड का राज खोल कर घटना के अगले दिन ही अनूप को हरियाणा के फतेहाबाद स्थित भट्टू कस्बे से गिरफ्तार कर लिया। प्रदीप से किरण की शादी एक माह पहले ही धूमधाम से हुई थी।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश फूलचंद झाझड़िया ने सोमवार की दोपहर जब निर्णय सुनाया उस समय अदालत वकीलों से खचाखच भरी थी। बाहर गलियारे में भी बड़ी संख्या में विश्नोई समाज के लोग जमा थे। अदालत परिसर में दिन भर इसी फैसले की चर्चा रही।

सजा सुन पछतावा कबूला

किरण सोमवार को काले कपड़े पहन अदालत में आई, सजा सुनाए जाने के पहले उसके चेहरे पर शांति थी, लेकिन सजा सुन लौटते हुए उसके पांव डगमगा गए। काफी कुरेदने के बाद उसने कहा, मुझे पछतावा है।

परिजनों की आंखें भर आई

सजा के तत्काल बाद मृतक प्रदीप के बड़े भाई विनोद ने अपने गांव गिलावाला, जिला हनुमानगढ़ जैसे ही अपनी मां को मोबाइल से फोन किया। उनकी आंखों से अश्रुधार बह निकली। विनोद ने कहा, फैसला सुन मां

DNA
Daily News & Analysis
Mumbai
દિવ્ય ભાસ્કર
Divya Bhaskar
Gujarat's No.1 Newspaper
Please Send Us Your Suggestions
Advertisement
NRIs! विशेष ऑफर
New Career In IT
Smart Careers in Information Technology
classifieds.sulekha.com
Make right choice now
Taste the true success of your potential
classifieds.sulekha.com
SAP &QA Traing in NJ
Wants to Earn $1000,$500 ..
classifieds.sulekha.com
Error on page. Internet

अपनी मां को मोबाइल से फोन किया। उनकी आंखों से अश्रुधार बह निकली। विनोद ने कहा, फैसला सुन मां रो पड़ी। चार भाइयों में सबसे छोटा प्रदीप सभी का लाड़ला था और जयपुर में रहकर आईएएस की तैयारी कर रहा था।

दादा की लाज नही रखी
किरण के दादा पृथ्वीराज बिश्नोई भट्टू के प्रतिष्ठित लोगों में थे। दोनों परिवारों में रिश्तेदारी थी, जिसे मजबूत करने के लिए उन्होंने प्रदीप और किरण की शादी से चार साल पहले ही सगाई पक्की कर दी थी। इस बीच किरण ने पड़ोसी अनूप से आंखें चार कर ली और शादी से नाखुश किरण ने छोटे भाई अमित को राजदार बनाकर प्रदीप को रास्ते से हटाने की साजिश रच ली। शादी में किरण को पीहर और ससुराल से कुल 300 तोला सोना मिला था। एक कार और दो लाख रुपए भी शादी में किरण के पिता ने दिए थे। प्रदीप का परिवार भी हनुमानगढ़ जिले के धनी और प्रतिष्ठित किसान परिवारों में गिना जाता है।

एक माह साजिश भरा
28.10.2003 को प्रदीप व किरण की शादी
10.11.2003 तक किरण 12 दिन ससुराल में रही
17.11.2003 तक पति के साथ 7 दिन जयपुर रुकी
20.11.2003 तक अपने ननिहाल बीकानेर 3 दिन रही
21.11.2003 को पीहर भट्टू गई, 6 दिन रुक साजिश रची
27.11.2003 को जयपुर आई, अगले दिन प्रेमी पहुंचा
28.11.2003 रात 10 बजे हत्या की, डेढ़ बजे जेठ को बुलाया

कैसे काटा कत्ल का दिन
27 व 28 नवंबर को किरण, अमित, अनूप ने आपस में कुल 39 बार फोन पर बात की। कत्ल के पहले रात 8.41 पर अमित ने अनूप से साढ़े ग्यारह मिनट मोबाइल पर बात की। पुलिस ने आईडी कॉलर से अनूप के किरण को किए फोनों की पुष्टि की।

अभियोजन पक्ष की कवायद
विशेष लोक अभियोजक शिवचंद साहू ने 44 गवाह, 155 दस्तावेज पेश किए। उन्होंने अनूप के जयपुर आते समय राजगढ़ चेकपोस्ट पर तैनात पुलिस जवानों के बयान भी कराए। वहां से अनूप की कार की एंट्री भी मंगाई गई। अनूप का रक्त नमूना लेकर चाकू पर लगे रक्त से मिलाने के लिए हैदराबाद भेजा गया। हत्या करते हुए अनूप के हाथ में चाकू फिसलने से चोट लग गई थी।

प्यार तूने क्या किया...
किरण और अनूप के प्रेम प्रसंग की किरण की मां को जानकारी थी लेकिन उसने यह सोचकर इस बात को छिपाकर रखा कि शादी के बाद बेटी प्रेमी को भूल जाएगी।

classifieds.sulekha.com
Smart Carpet Cleaner
Absolute CHEMDRY â€" Carpet Cleaning
classifieds.sulekha.com
Your H1B Visa Needs
Keep 90% Of Bill Rate For H1b Transfers
classifieds.sulekha.com
AdNetwork by Sulekha